श्री अन्न समाचार पत्र

हैदराबाद, सोलापुर, बाड़मेर, वरंगल

अंक - 270 अप्रैल, 2025

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद -500 030.

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में खरीफ नियोजन कार्यशाला के माध्यम से किउसं नेतृत्व तथा बाजार संपर्क का सुदृढ़ीकरण

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 7-8 अप्रैल 2026 के दौरान किउसं प्रमुखों, विशेषज्ञों तथा संस्थागत हितधारकों को एक मंच पर लाकर, "श्री अन्न किसान उत्पादक संगठनों (किउसं) के लिए खरीफ नियोजन तथा बाजार संपर्क" पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यक्रम में खरीफ फसल के नियोजन, उत्तम गुणता के बीजों की आपूर्ति, निदेशक मंडल के नेतृत्व विकास एवं कर्नाटक श्री अन्न किउसं के लिए आजीविका के अवसरों को सुदृढ़ करने पर ध्यान दिया गया। डॉ. सी तारा सत्यवती ने उद्घाटन सत्र के दौरान बाजार-चालित फसल नियोजन तथा श्री अन्न मूल्यवर्धन पर बल दिया, जबकि श्री साइमन पासला ने आधारभूत ढांचे, क्षमता निर्माण, वित्तीय पहुंच तथा बाजार संपर्क के माध्यम से किउसं को सुदृढ़ करने में सीएसआर की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के दौरान हुए तकनीकी सत्र में किउसं के विकास के विविध पहलुओं को सुदृढ़ करने तथा आगामी खरीफ मौसम हेतु तैयारी को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया गया। डॉ. संगप्पा ने किउसं के प्रगति की समीक्षा एवं खरीफ कार्य-योजना पर समर्पित एक सत्र आयोजित किया, जिसमें सहभागियों ने अपने किउसं की वर्तमान स्थिति का आकलन किया तथा बाजार की मांग एवं मौसमी आवश्यकताओं के अनुसार संरचित, स्थानानुसार कार्य-योजना बनाई। कार्यशाला ने किउसं प्रमुखों को प्रसंस्करण, ब्रांडिग तथा बाजार पहुंच में नए अवसरों का पता लगाने में भी सहायता की, इसके अलावा उन्हें नियोजित एवं कुशल किसान समूह के रूप में काम करने हेतु अपनी क्षमता को भी सुदृढ़ करने में सहायता प्रदान की।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में खरीफ नियोजन, श्री अन्न मूल्यवर्धन एवं किउसं के लिए बाजार संपर्क पर कार्यशाला

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने श्री अन्न आधारित किसान उत्पादक संगठनों (किउसं) को सुदृढ़ करने के लिए 9–10 अप्रैल 2026 के दौरान चार भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं प्रवर्तित किउसं हेतु "खरीफ नियोजन तथा विपणन संपर्क" पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यक्रम में लगभग 20 सहभागियों ने भाग लिया, जिसमें खरीफ नियोजन, उद्यम विकास, श्री अन्न मूल्यवर्धन तथा बाजार संपर्क पर ध्यान दिया गया। विभिन्न संस्थागत विशेषज्ञों ने किउसं विकास, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, ब्रांडिग, पैकेजिग तथा उद्यमिता पर तकनीकी सत्र दिए। श्रीमती लता सिस्टला ने किउसं के सशक्तिकरण के लिए सीएसआर समर्थन पर बल दिया, जबकि डॉ. वीरेश वली ने श्री अन्न मूल्यवर्धन एवं व्यवसाय के अवसरों पर चर्चा की। सहभागियों ने श्री अन्न चिक्की प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक प्रदर्शन के लिए जीएमआरके फूड्स का भी दौरा किया। डॉ. विकास कुमार ने किउसं के लिए उत्पाद विकास, ब्रांडिग एवं पैकेजिग समाधान पर एक सत्र लिया, जिसमें बाजार हेतु तैयार उत्पाद विकास एवं बाजार में अपनी उपस्थिति सुदृढ़ करने के नए तरीकों पर ध्यान दिया गया। सेल्को फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने विकेंद्रिकृत श्री अन्न प्रसंस्करण तथा ग्रामीण उद्यमिता के लिए दीर्घकालिक समाधान साझा किए। डॉ. संगप्पा तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के किउसं नेस्ट दल द्वारा कार्यक्रम का समन्वय किया गया।

बीज नियोजन, व्यवसाय विकास तथा बाजार संपर्क पर केंद्रित किउसं समीक्षा बैठक

किउसं-नेस्ट दल ने 22-25 अप्रैल 2026 के दौरान मौसमी तैयारी को बेहतर बनाने तथा व्यवसाय प्रबंधन के तरीकों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से, लघु कृषक कृषि-व्यापार संघ (एसएफएसी) तथा डब्ल्यूडीडी समर्थन प्राप्त भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा प्रवर्तित किउसं के साथ समीक्षा बैठक की। दल ने प्रगति की समीक्षा करने तथा फसल नियोजन, बीज की मांग, उत्पादन अनुमान, एकत्रीकरण एवं बाजार संपर्क पर ध्यान केंद्रित करते हुए खरीफ कार्य-योजना को अंतिम रूप देने के लिए निदेशक मंडल के साथ चर्चा की। चर्चा के दौरान समय पर उत्तम गुणता के बीज तक पहुंच, सामूहिक खरीद एवं विपणन, मूल्य शृंखला विकास, श्री अन्न प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन पर भी बल दिया गया। किउसं-नेस्ट दल ने किउसं के मांग-चालित व्यवसाय योजना तैयार करने तथा समन्वय, संस्थागत दक्षता एवं निरंतर व्यवसाय वृद्धि को सुदृढ़ करने हेतु मार्गदर्शन किया।

आदिवासी किसानों की बाजार पहुंच तथा फसल कटाई उपरांत प्रबंधन के सुदृढ़ीकरण हेतु गिरी सिरी जनजातीय किउसं में शीत भंडारण सुविधा का उद्घाटन

गिरी सिरी जनजातीय किउसं में फसल कटाई उपरांत प्रबंधन को सुदृढ़ करने तथा आदिवासी किसानों के लिए बाजार के अवसरों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 7 अप्रैल 2026 को एक शीत भंडारण सुविधा का उद्घाटन किया गया। इस उद्घाटन समारोह में ज़िलाधीश, पाडेरू बागवानी अधिकारी, नाबार्ड ज़िला विकास प्रबंधक तथा कूल क्रॉप, ईईएसएल फाउंडेशन, ईएसएएफ, सबला गैर-सरकारी संगठन, स्थानीय प्रशासन निकाय के प्रतिनिधियों के साथ -साथ लगभग 50 किसान शामिल हुए। यह सुविधा खराब होने वाले फलों व सब्जियों का भंडारण बढ़ाएगी, फसल कटाई उपरांत क्षति को कम करेगी, बेहतर मूल्य प्रदान करेगी, तथा किउसं के माध्यम से थोक एकत्रीकरण एवं सुव्यवस्थित विपणन में सहायता करेगी। इस पहल से कृषि मूल्य शृंखला के सुदृढ़ होने तथा खेती करने वाले आदिवासी समुदायों के लिए सतत आजीविका को बढ़ावा मिलने की आशा है।

उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चरल साइंस कांग्रेस-2026 में श्री अन्न उद्यमिता एवं मूल्यवर्धन पर मुख्य वक्तव्य

डॉ. संगप्पा, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने 9 अप्रैल 2026 को भाकृअनुप-भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चरल साइंस कांग्रेस-2026 के दौरान "श्री अन्न क्षेत्र में उद्यमिता विकास" पर एक मुख्य वक्तव्य दिया। उन्होंने किसानों की आय तथा पोषण सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए श्री अन्न प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, उत्पाद विविधिकरण, ब्रांडिंग एवं उद्यमिता के अवसरों पर प्रकाश डाला। व्याख्यान में श्री अन्न मूल्य शृंखला को सुदृढ़ करने तथा सतत कृषि-व्यवसाय विकास को बढ़ावा देने में किसान उत्पादक संगठन, नवोद्यम एवं संस्थागत बाजार संपर्क की भूमिका पर भी बल दिया गया।

जीसीओई–एससीएसपी के अंतर्गत संतुलित उर्वरक उपयोग तथा श्री अन्न मूल्यवर्धन पर एससी किसानों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने वैज्ञानिक पोषण प्रबंधन तथा श्री अन्न-आधारित मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, 20-21 अप्रैल 2026 के दौरान टेकमल फार्मर्स प्रोड्यूसर कोऑपरेटिव सोसाइटी के सदस्यों के लिए श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र-एससीएसपी घटक के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा सतत आजीविका के लिए श्री अन्न मूल्यवर्धन पर ध्यान दिया गया। डॉ. आर महेंद्र कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप- भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान ने बेहतर फसल उत्पादन तथा उर्वरक के संतुलित प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। सहभागियों ने श्री अन्न बेकरी उत्पाद एवं ज्वार रोटी बनाने के प्रदर्शन के अवलोकन हेतु पीजेटीएसएयू बेकरी यूनिट तथा श्री अन्न प्रसंस्करण यूनिट का भी दौरा किया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने उद्यमिता तथा समुदाय-स्तरीय मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने के लिए किउसं को रोटी बनाने की मशीन प्रदान की। समापन सत्र के दौरान, डॉ. श्याम प्रसाद, प्रभारी निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने वैज्ञानिक खेती तथा किसानों की आय को बेहतर बनाने में ऐसे क्षमता-निर्माण कार्यक्रम की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक, किउसं परियोजना एवं किउसं दल, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने कार्यक्रम का आयोजन किया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा खरीफ 2026 के लिए एनईएच क्षेत्र में जलवायु-लचीली खेती के सुदृढ़ीकरण के लिए उन्नत श्री अन्न बीज की आपूर्ति

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने उत्तर पूर्वी पहाड़ी (एनईएच) क्षेत्र में जलवायु-लचीची खेती को बढ़ावा देने के प्रयासों के अंतर्गत, 24 अप्रैल 2026 को खरीफ मौसम हेतु लगभग 2 टन उत्तम श्री अन्न बीज की आपूर्ति की। इस पहल का उद्देश्य एनईएच राज्यों में श्री अन्न की खेती को बढ़ाना, उत्पादकता बढ़ाना तथा पोषण एवं आजीविका सुरक्षा को बेहतर बनाना है। कृषि महाविद्यालय, पसीघाट, राजीव गांधी विश्वविद्यालय तथा कृषि महाविद्यालय, त्रिपुरा के साथ मिलकर ज्वार, रागी, कंगनी, कुटकी, चेना, सावां, कोदो, छोटी कंगनी एवं चारा ज्वार की बेहतर किस्मों के बीज वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में बेहतर उत्पादन प्रौद्योगिकी पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, अनुकूलित परीक्षण तथा किसानों को प्रशिक्षण शामिल है। डॉ. सी तारा सत्यवती के मार्गदर्शन में इस पहल से 300-400 किसानों को लाभ मिलने की आशा है, तथा उत्पादकता में 20-30% की वृद्धि, खेती की लागत में कमी, चारे की उपलब्धता में सुधार, तथा उस क्षेत्र में जलवायु अनुकूलन एवं स्थायी आजीविका को सुदृढ़ करने की संभावना है।

प्रकाशन

उमाकांत ए वी, जेकब जे, राजेंद्रकुमार पी, बालकृष्ण डी, कुमार वी, दंडपानी बी, निखिता के, सिगोड ए, चेल्लापिल्ला टी एस तथा गुप्ता एस के (2026) ज्वार में ब्राउन मिडरिब उत्परिवर्ती तथा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में उनका अनुप्रयोग। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस। 17:1807795. doi: 10.3389/fpls.2026.1807795

प्रशिक्षण कार्यक्रम

शीर्षक	प्रायोजक अभिकरण	अवधि (दिनों में)	सहभागियों की संख्या
किसान उत्पादक संगठन के लिए खरीफ नियोजन तथा बाजार संपर्क पर कार्यशाला	किउसं परियोजना	2 दिन (7 - 8 अप्रैल 2026)	29
किसान उत्पादक संगठन के लिए खरीफ नियोजन तथा बाजार संपर्क पर कार्यशाला	किउसं परियोजना	2 दिन (9 - 10 अप्रैल 2026)	17
अनुसूचित जाति के किसानों के लिए वैज्ञानिक पोषक प्रबंधन एवं श्री अन्न मूल्यवर्धन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	किउसं परियोजना	2 दिन (15 - 16 अप्रैल 2026)	75 अनुसूचित जाति के किसान
दुंदुबी फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के लिए श्री अन्न मूल्यवर्धित उत्पाद के विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	जीसीओई का एससीएसपी घटक	2 दिन (15 - 16 अप्रैल 2026)	27
परीक्षण व अंशांकन (कैलिब्रेशन) प्रयोगशालाओं के लिए एनएबीएल मान्यता पर जागरूकता कार्यक्रम	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं तथा एनएबीएल-क्यूसीआई	1 दिन (17-04-2026)	33
उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर जागरूकता तथा श्री अन्न मूल्यवर्धन पर प्रशिक्षण	जीसीओई का एससीएसपी घटक	2 दिन (20 - 21 अप्रैल 2026)	14

बैठकों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में सहभागिता

नाम	शीर्षक (अगर प्रपत्रादि प्रस्तुत किया गया है तो शीर्षक)	आयोजक	स्थल	ऑनलाइन/ प्रत्यक्ष	तिथि
डॉ. सी तारा सत्यवती	सतत एवं जलवायु-लचीली कृषि, प्राकृतिक खेती तथा संबद्ध विज्ञान के लिए भाकृअनुप और कृषि मंत्रालय के ढांचे पर 30 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कृषि शीतकालीन स्कूल प्रशिक्षण सह प्रमाण पत्र कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सहभागिता	हिदुस्तान कृषि अनुसंधान एवं कल्याण सोसायटी	हिदुस्तान कृषि अनुसंधान एवं कल्याण सोसायटी	ऑनलाइन	01 अप्रैल 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	कृषि फसलों के लिए फसल मानक अधिसूचना एवं किस्मों के लोकार्पण पर केंद्रीय उप-समिति की बैठक में सहभागिता	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली	ऑनलाइन	06 अप्रैल 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	मिशन कर्मयोगी साधना सप्ताह के अंतर्गत वेबिनार में सहभागिता	भाकृअनुप, नई दिल्ली	भाकृअनुप, नई दिल्ली	ऑनलाइन	06 अप्रैल 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	बाजरा केंद्रों पर अभासअनुप, के अनुसंधान परिणाम 2025 - 26 की समीक्षा तथा 2026-27 के लिए तकनीकी कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए पूर्व-कार्यशाला सह- बैठक की अध्यक्षता	बाजरे पर भाकृअनुप-अभासअनुप, गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान	बाजरे पर भाकृअनुप-अभासअनुप, गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान	ऑनलाइन	13 अप्रैल 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	काउंसिल की 118 वीं बैठक में सहभागिता	पीजेटीएयू, हैदराबाद	सेमिनार हॉल -1, यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम पीजेटीएयू, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	16 अप्रैल 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	'गुणवत्ता यात्रा' पहल के अंतर्गत "टेस्टिंग एं कैलिब्रेशन लैबोरेटरीज ऑन एनएबीएल एक्रेडिटेशन" पर जागरूकता कार्यक्रम के दौरान उद्घाटन संबोधन	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	17 अप्रैल 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	"कृषि नवयुग-2026" 3 मास के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण सह इंटर्नशिप के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता	एग्रीकल्चर डब्ल्यूएएलआई रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली	एग्रीकल्चर डब्ल्यूएएलआई रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली	ऑनलाइन	18 अप्रैल 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	एमएस स्वामीनाथन अवॉर्ड सेरेमनी में सहभागिता	रिटायर्ड इंडियन काउंसिल ऑफ़ एग्रीकल्चरल रिसर्च एम्प्लॉइज एसोसिएशन तथा नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड	हैदराबाद में तेलंगाना के डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान	प्रत्यक्ष	18 अप्रैल 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	महर्षि के अंतर्गत मैजिक 2026 के लिए अंतर-मंत्रालयीन बैठक में सहभागिता	भाकृअनुप, नई दिल्ली	भाकृअनुप, कृषि भवन, नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	22 अप्रैल 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	मेलिआ पर प्रस्तुतीकरण में सहभागिता	डेयर / भाकृअनुप, नई दिल्ली	डेयर / भाकृअनुप, नई दिल्ली	ऑनलाइन	27 अप्रैल 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	नवोन्मेश तथा ज्ञान विनिमय के अंतर्गत "उभरती प्रौद्योगिकियों" पर अभिनव विकास पर ब्रिक्स राष्ट्र महिला व्यापार गठबंधन कार्यकारी समूह के अंतर्गत वेबिनार में सहभागिता	भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की), नई दिल्ली	फिक्की, नई दिल्ली	ऑनलाइन	30 अप्रैल 2026

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053

दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

संकलन एवं संपादन

डॉ. महेश कुमार, डॉ. जिनु जेकब

डी रेवती तथा डॉ. वी वेंकटेश भट

फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा

एच एस गावली

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)

राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,

सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)

दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456

ई-मेल : solapur@millets.res.in

वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)

प्रभारी अधिकारी,

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस

(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़, वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)

गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान

ई-मेल : barmer@millets.res.in